आदर्श महिला महाविद्यालय,भिवानी की मासिक पत्रिका

अनुपमा यात्रा

वर्षः 03/ संस्करणः 05 पृष्ठः 08/ मूल्यः 5 रूपये | भिवानी, रविवार 10 मई 2026 | anupama.express@ammb.ac.in

आदर्श महिला महाविद्यालय में 20वां दीक्षांत एवं वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न

बेटियों की उपलब्धियों का हुआ सम्मान

भिवानी। आदर्श महिला महाविद्यालय के 20वें दीक्षांत एवं वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में बेटियों की उपलब्धियों का सम्मान करते हुए स्नातक एवं स्नातकोत्तर की छात्राओं को उपाधियां प्रदान की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथियों के रूप में प्रो. दीप्ति धर्माणी के साथ दो अन्य विश्वविद्यालयों के कुलपति शामिल हुए, जिनमें श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय, पलवल से प्रो. दिनेश कुमार, तथा भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, सोनीपत से प्रो. सुदेश छिकारा विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष डॉ. अजय गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में वैश्य महाविद्यालय ट्रस्ट के अध्यक्ष शिवरत्न गुप्ता विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहें। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन, महाविद्यालय गीत और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। विशिष्ट अतिथि अधिवक्ता शिवरत्न गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि संस्कार, शिक्षा और आत्मविश्वास ये तीनों तत्व सफलता की कुंजी हैं। महाविद्यालय की बेटियां आज हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं और आने वाला समय उनका है। कार्यक्रम अध्यक्ष अजय गुप्ता ने कहा कि संस्थान लगातार बेटियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देकर उन्हें सशक्त बनाने का कार्य कर रहा है। हम बेटियों को शिक्षित और सशक्त करने के अभियान में पूरी तरह से लगे हुए है। महाविद्यालय प्रबंधन समिति के महासचिव अशोक बुवानीवाला ने समारोह में पहुंचे सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि महाविद्यालय अपने लक्ष्य के अनुरूप बेटियों के भविष्य को संवारने के लिए हमेशा अग्रणी रहेगा। इसके पश्चात महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अलका मित्तल ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए संस्थान की शैक्षणिक, सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों की उपलब्धियों का विस्तार से उल्लेख किया। इस मौके पर प्रबंधकारिणी के कोषाध्यक्ष सुदंर लाल अग्रवाल, संयुक्त सचिव पवन केडिया, पवन बुवानीवाला, प्रीतम अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, प्राचार्या डॉ. संजय गोयल, रामदेव तायल, मीनू अग्रवाल, सुरेश देवरालिया, डॉ. करण पुनीया, प्रो. सतीश आर्या, प्रो. एसके शर्मा इत्यादि उपस्थित रहें।

दीक्षांत समारोह में भिन्न-भिन्न संकायों की 234 छात्राओं को स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां प्रदान की गई। इसके पश्चात मेधावी छात्राओं को स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक देकर सम्मानित किया गया। जिनमें एमएससी गणित की छात्राओं तन्नु और कोमल मखीरा को गोल्ड मैडल दिया गया। इस मौके पर कला संकाय से पलक, विज्ञान से दीक्षा, कॉमर्स से रितु व बीसीए से मुस्कान को बैस्ट स्टूडेंट अवार्ड दिया गया। बैस्ट टीचर अवार्ड सहायक प्रोफेसर डॉ. दीपू सैणी को प्रदान किया गया तथा बैस्ट नॉन टीचिंग अवार्ड से विशाल मिश्रा व सतबीर को नवाजा गया। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुतियों ने समारोह को और भी रंगमय बना दिया, जिसमें छात्राओं ने नृत्य एवं गीत प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

डिग्री ज्ञान, मेहनत और अनुशासन का प्रतीकः डॉ. दीप्ति धर्माणी

डिग्री केवल एक प्रमाण पत्र नहीं, बल्कि आपके ज्ञान, मेहनत और अनुशासन का प्रतीक है। आज का दिन छात्राओं के जीवन में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। मुझें खुशी है आदर्श महिला महाविद्यालय की बेटियां हर क्षेत्र में न सिर्फ अपने महाविद्यालय का बल्कि हमारे विश्वविद्यालय का भी देश व प्रदेश में नाम रोशन कर रही है। शिक्षा व्यक्ति को केवल रोजगार के अवसर ही नहीं देती, बल्कि उसे आत्मनिर्भर, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक भी बनाती है। आज की युवा पीढ़ी में अपार क्षमता और प्रतिभा है, आवश्यकता केवल उसे सही दिशा और निरंतर परिश्रम से आगे बढ़ाने की है। महाविद्यालय की छात्राओं ने शिक्षा, संस्कृति, खेल और सामाजिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर यह सिद्ध किया है कि वे भविष्य की सशक्त नेतृत्वकर्ता बनने का सामर्थ्य रखती हैं। आप सभी अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहकर समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दें।

-कुलपति, चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी

छात्राओं की कौशल निपुणता के लिए महाविद्यालय को बधाईः प्रो. दिनेश कुमार

आज इस महाविद्यालय में ये देखकर गर्व हुआ कि यहां की छात्राएं न केवल तकनीकी बल्कि व्यावसायिक कौशल में भी निपुण है जिसके लिए वो महाविद्यालय को बधाई देते हैं। छात्राओं को अपने सपनों को सीमित नहीं करना चाहिए, बल्कि बड़े लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें हासिल करने का प्रयास करना चाहिए। वर्तमान समय में वही युवा तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, जो बदलती परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को तैयार कर रहे हैं। इस महाविद्यालय ने छात्राओं को शिक्षा के साथ-साथ व्यवहारिक प्रशिक्षण, व्यक्तित्व विकास और रोजगारोन्मुखी गतिविधियों से जोड़कर सराहनीय कार्य किया है। यहां की छात्राओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सकारात्मक सोच स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। मुझे विश्वास है कि यह संस्थान आने वाले समय में भी इसी प्रकार प्रतिभाशाली एवं सक्षम छात्राओं को तैयार करता रहेगा, जो समाज और देश की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

– कुलपति, श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय, पलवल

महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैः प्रो. सुदेश छिकारा

महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। शिक्षा वह शक्ति है जो आपको न केवल सशक्त बनाती है, बल्कि समाज में परिवर्तन लाने की क्षमता भी देती है। दीक्षांत समारोह एक नई शुरुआत है, जहां से आपको अपने ज्ञान का उपयोग समाज और राष्ट्र के निर्माण में करना है। यह समय आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और अपने सपनों को वास्तविकता में बदलने का है। आदर्श महिला महाविद्यालय की छात्राओं में अनुशासन, संवेदनशीलता और नेतृत्व क्षमता का सुंदर समन्वय दिखाई देता है, जो उन्हें भविष्य में विशिष्ट पहचान दिलाएगा। मुझें विश्वास है कि यहां की बेटियां अपने कार्यों और उपलब्धियों से परिवार, समाज और देश का गौरव बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगी।

– कुलपति भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यायल, खानपूर

यूनिवर्सिटी गोल्ड मेडल प्राप्त करना मेरे लिए अत्यंत गर्व और खुशी का क्षण है। इस उपलब्धि का श्रेय मैं अपने माता-पिता, गुरुजनों और महाविद्यालय के सहयोगी वातावरण को देना चाहती हूँ, जिन्होंने हर कदम पर मेरा मार्गदर्शन किया। गणित जैसे चुनौतीपूर्ण विषय में सफलता ने मुझे यह सिखाया है कि मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। आगे भी मैं इसी समर्पण के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ती रहूँगी।

तन्नु, गोल्ड मैडलिस्ट, एमएससी गणित

श्रीमति मिश्री देवी बेस्ट स्टूडेंट अवार्ड मिलना मेरे लिए मेहनत और अनुशासन का परिणाम है। यहां की पढ़ाई ने मुझे व्यावहारिक सोच और निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने में मदद की। मैं इस उपलब्धि को अपने शिक्षकों और परिवार के सहयोग को समर्पित करती हूँ।

– छात्रा रितु कॉमर्श संकाय

ये मेरे जीवन का एक यादगार और प्रेरणादायक अनुभव है। मैं अपने सभी शिक्षकों का धन्यवाद व्यक्त करती हूँ, जिनकी प्रेरणा और मार्गदर्शन के बिना यह संभव नहीं था। यूनिवर्सिटी गोल्ड मेडल प्राप्त करना सच में सपने जैसा है। आज इस मंच पर मिले इस सम्मान ने मेरे आत्मविश्वास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है और मुझे भविष्य में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया है।

– कोमल मखीरा, गोल्ड मैडलिस्ट, एमएससी गणित

श्री रामकिशन गोटेवाला जी की स्मृति में मिला ये अवार्ड मेरे लिए एक यादगार उपलब्धि है। महाविद्यालय का सहयोगी माहौल मेरे आत्मविश्वास को मजबूत करने में सहायक रहा है। बेस्ट स्टूडेंट अवार्ड प्राप्त करना किसी सपने से कम नहीं।

– छात्रा मुस्कान, बीसीए

महाविद्यालय संस्थापक श्री भगीरथमल बुवानीवाला जी की स्मृति में मिला बेस्ट स्टूडेंट अवार्ड प्राप्त करना मेरे लिए बेहद खास क्षण है। इस सम्मान ने मुझें भविष्य को सोचने का एक नया नजरिया दिया। महाविद्यालय में मिले मार्गदर्शन और अवसरों ने मेरी प्रतिभा को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसके लिए मैं सदैव आभारी रहूंगी।

– छात्रा पलक, कला संकाय

विज्ञान संकाय में श्री सत्यनारायण केडिया की स्मृति मिला बेस्ट स्टूडेंट अवार्ड मेरे लिए गर्व और जिम्मेदारी दोनों लेकर आया है। प्रयोगों और सीखने की निरंतर प्रक्रिया ने मुझे धैर्य और सटीकता का महत्व सिखाया। यह उपलब्धि मुझे आगे भी अपने क्षेत्र में बेहतर करने के लिए प्रेरित करती रहेगी।

– छात्रा दीक्षा विज्ञान संकाय

शेष पेज दो पर -->

आदर्श महिला महाविद्यालय में नए सत्र के प्रवेश पंजीकरण की शुरुआत

हमारा उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ छात्राओं का सर्वांगीण विकास: डॉ. अलका मित्तल

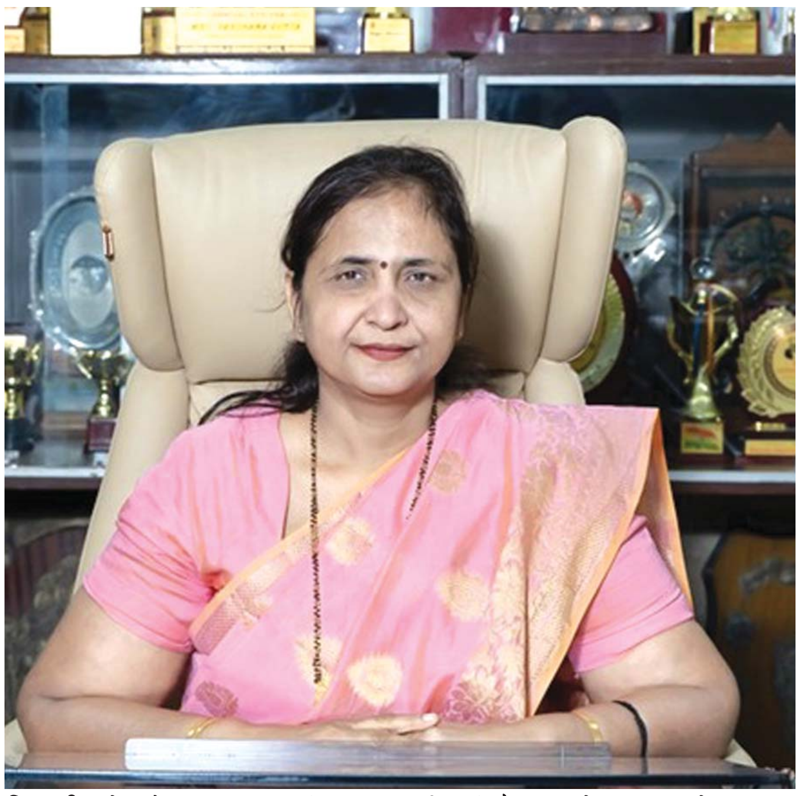

	gramme Name	Course Category	Programme Type	Total Seats
1	Bachelor of Arts	UG	Aided	560
2	Bachelor of Arts	UG	Self-Finance	80
3	Bachelor of Commerce	UG	Aided	40
4	Bachelor of Commerce	UG	Self-Finance	160
5	Bachelor of Computer Application	UG	Self-Finance	80
6	Bachelor of Science in Life Sciences	UG	Aided	40
7	Bachelor of Science in Life Sciences	UG	Self-Finance	80
8	Bachelor of Science in Physical Sciences	UG	Aided	40
9	Bachelor of Science in Physical Sciences	UG	Self-Finance	160

भिवानी। क्षेत्र के प्रतिष्ठित आदर्श महिला महाविद्यालय में नए शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश पंजीकरण प्रक्रिया विधिवत रूप से शुरू हो गई है। पंजीकरण के पहले ही दिन से छात्राओं और अभिभावकों में खासा उत्साह देखने को मिला। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष विभिन्न स्नातक (यूजी) पाठ्यक्रमों में कुल सीटों की संख्या संतुलित रूप से निर्धारित की गई है, जिससे अधिक से अधिक छात्राओं को उच्च शिक्षा का अवसर मिल सके। महाविद्यालय में बैचलर ऑफ आर्ट्स (बी.ए.) के एडेड वर्ग में 560 सीटें निर्धारित की गई हैं, जो कि संस्थान का सबसे बड़ा कोर्स है। इस प्रकार कुल मिलाकर महाविद्यालय में विभिन्न संकायों में सैकड़ों छात्राओं के लिए प्रवेश के द्वार खुले हैं। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अलका मित्तल ने जानकारी देते हुए बताया कि संस्थान का उद्देश्य केवल प्रवेश देना नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ छात्राओं का सर्वांगीण विकास करना है।

उन्होंने कहा कि बदलते समय के अनुरूप पाठ्यक्रमों में भी सुधार किया गया है, ताकि छात्राएं भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार हो सकें।

उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपनी बेटियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करें और समय रहते पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करवाएं। उन्होंने कहा कि प्रवेश प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से संचालित की जा रही है। महाविद्यालय परिसर में अनुशासन और व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं।

महाविद्यालय के संस्थापक श्री बनारसी दास गुप्ता जी की स्मृति में यह सम्मान मेरे लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। शिक्षण केवल ज्ञान देने तक सीमित नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और सोच को दिशा देने की जिम्मेदारी भी है। महाविद्यालय में मिले सहयोगी वातावरण और विद्यार्थियों के उत्साह ने हमेशा मुझे बेहतर करने के लिए प्रेरित किया है। मैं इस सम्मान को अपने सभी विद्यार्थियों और सहयोगी साथियों को समर्पित करती हूँ।

- डॉ. दीपू सैणी, बैस्ट टीचर अवार्ड

छात्राओं की सुविधा के लिए विशेष हेल्प डेस्क और काउंटर की व्यवस्था

नए सत्र के प्रवेश पंजीकरण को सुगम और सरल बनाने के लिए महाविद्यालय प्रशासन ने परिसर में विशेष हेल्प डेस्क और विभिन्न काउंटर स्थापित किए हैं। इन व्यवस्थाओं का उद्देश्य छात्राओं और उनके अभिभावकों को किसी भी प्रकार की परेशानी से बचाना और उन्हें त्वरित सहायता प्रदान करना है। महाविद्यालय प्रवेश करते ही मार्गदर्शन हेल्प डेस्क बनाई गई है, जहां स्वयंसेवी छात्राएं और स्टाफ सदस्य उपस्थित रहकर आने वाली छात्राओं को सही दिशा-निर्देश दे रहे हैं। यहां से छात्राओं को पूर्ण जानकारी दी जा रही है कि किस काउंटर पर जाना है, कौन-कौन से दस्तावेज आवश्यक हैं और पंजीकरण की पूरी प्रक्रिया क्या है। प्रत्येक काउंटर पर प्रशिक्षित स्टाफ की नियुक्ति की गई है, जो छात्राओं के प्रश्नों का समाधान करने में तत्पर है। महाविद्यालय परिसर में प्रवेश के लिए आ रही छात्राओं एवं अभिभावकों के लिए भी बैठने की उचित व्यवस्था, पेयजल और प्राथमिक चिकित्सा जैसी सुविधाओं का भी विशेष ध्यान रखा गया है। अभिभावकों के लिए अलग प्रतीक्षा क्षेत्र बनाया गया है, जिससे वे आराम से बैठकर प्रक्रिया पूरी होने का इंतजार कर सकें। छात्राएं मोबाईल नम्बर 9306940790 पर सम्पर्क कर अपनी संकायों का समाधान करा सकती है।

महाविद्यालय की महान विभूति श्रीमती द्रोपदी गुप्ता की स्मृति में मिला यह सम्मान मेरे कार्य के प्रति विश्वास और प्रोत्साहन का प्रतीक है। मैं सदैव पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करता रहूँगा।

- सतबीर, बैस्ट नॉन-टीचिंग अवार्ड

महाविद्यालय प्रबंधकारिणी की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती दर्शना गुप्ता की स्मृति में मिले इस सम्मान को पाकर मुझे अत्यंत खुशी और संतोष का अनुभव हो रहा है। पर्दे के पीछे रहकर कार्य करते हुए भी जब हमारी मेहनत को सराहा जाता है, तो वह और अधिक ऊर्जा देता है। मैं महाविद्यालय के विकास में अपना योगदान इसी समर्पण के साथ आगे भी देता रहूँगा।

- विशाल मिश्रा, बैस्ट नॉन-टीचिंग अवार्ड

अतीत की यादों को फिर से जीने का उत्सव बना आदर्श महिला महाविद्यालय का सखी संगम एलुमनी मीट

हृदयतल को छुकर आजीवन याद रहने वाला अनुभव बना सखी संगम

भिवानी। हम 70 बैच आल्यां नै तो खास खुशी हुई सै। सोचा ना था के फेर इस तरह सब एकठ्ठा होवांगी। आज की छोरियां नै देख के गर्व भी होया कि कितना आगे बढ़ री सै सारी। म्हारा कॉलेज आज भी उतना ही कमाल कर रह्या है जितना 50-55 साल पहले। ये कहना था आज आदर्श महिला महाविद्यालय में इक्कट्ठी हुई पूर्व छात्राओं का। वहीं अन्य बैच की छात्राओं ने भी ठेठ हरियाणी लहजे में कहा अर्रे भाई, मजा आ गया आज तो! इतने सालां बाद अपनी सहेल्यां नै देख के दिल खुश हो गया। लाग्या ही ना कि टाइम इतणा बीत गया। कॉलेज के दिन याद आ गे, वो हंसी-ठिठोली, सब कुछ फेर ताजा हो गया।

'सखी संगम' एलुमनी मीट आयोजन न होकर हृदयतल को छुकर आजीवन याद रहने वाला अनुभव बन गया। विभिन्न सत्रों में सुव्यवस्थित रूप से संचालित देर रात तक चले हर सत्र ने अपनी अलग छाप छोड़ी। जिस शानदार अंदाज में इस आयोजन की शुरुआत हुई थी, उसी भव्यता और गरिमा के साथ उसका समापन भी किया गया। सुबह से शुरू हुआ उत्साह, उमंग और ऊर्जा का सिलसिला पूरे दिन निरंतर बना रहा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, संवाद सत्रों व सम्मान समारोह के माध्यम से यह आयोजन लगातार नई ऊंचाइयों को छूता रहा। जैसे-जैसे समय आगे बढ़ता गया, कार्यक्रम की रंगत और भी निखरती गई और रात तक पहुंचते-पहुंचते यह उत्साह अपने चरम पर नजर आया।

भव्य समापन के साथ यह आयोजन न केवल यादगार बना, बल्कि सभी के मन में लंबे समय तक बनी रहने वाली मधुर स्मृतियां भी छोड़ गया। प्रथम सत्र से शुरू हुए इस आयोजन का शुभारंभ दीप प्रज्जवल के साथ किया गया। प्राचार्या डॉ. अलका मित्तल के संयोजन में आयोजित हुए इस भव्य आयोजन के प्रथम सत्र के उद्घाटन समारोह में हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. रेणु भाटिया एवं पुलिस कमिश्नर झज्जर डॉ. राजश्री सिंह एवं हरियाणा लोक सेवा आयोग की सदस्या ज्योति बैंदा बतौर मुख्यातिथि उपस्थित रही तो वहीं समापन समारोह में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा एवं लोहारू के विधायक राजबीर फरटिया मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। महाविद्यालय की एलुमनी एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के लिए पिछले कुछ महिनों से जो उत्साह देखा जा रहा है वह आज उत्सव में बदल गया। यहां पहुंचने पर सभी एजुमनी का भव्य स्वागत किया गया। विभिन्न बैचो की छात्राएं जब अपनी सखियों एवं अध्यापकों से मिली तो महाविद्यालय का पूरा वातावरण भाव-विभोर हो उठा।

वर्षों बाद एक ही मंच पर एकत्रित हुई इन वरिष्ठ पूर्व छात्राओं ने अपने अनुभवों और यादों से पूरे माहौल को भावुक और प्रेरणादायक बना दिया। इस अवसर पर जहां पूर्व छात्राओं द्वारा प्रस्तुत नृत्य, गीत और नाट्य मंचन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया वहीं विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया। एलुमनी एसोसिएशन की अध्यक्ष डॉ. रेणु, महासचिव डॉ. मोहिनी, बबीता चैधरी, नेहा, डॉ. ममता चैधरी, डॉ. सुचिता सोनी, डॉ. आशिमा यादव, वैशाली, तान्या, डॉ. तमन्ना गुप्ता, डॉ. रचना कौशिक, सीमा सहित समस्त टीम ने कार्यक्रम को सफल बनाने में तत्परता से कार्य किया।

गरीब तबके की कम से कम दो बेटियों की शिक्षा में सहयोग करेः डॉ. रेणु भाटिया

दीप प्रज्जवलन पश्चात मुख्यातिथि डॉ. रेणु भाटिया ने कहा कि आज के समय में मनोरंजन का नाम देकर जिस प्रकार गानों के माध्यम से महिलाओं के सम्मान व गरिमा को ठेस पहुंचाई जा रही है, वो किसी भी प्रकार से स्वीकार्य नहीं है। महिलाओं को निम्न स्तर पर दिखाने वाली मानसिकता का हमें सामूहिक रूप से विरोध करना होगा। यह केवल सरकार या किसी एक संस्था की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि पूरे समाज की भागीदारी जरूरी है। ऐसे गीत, वीडियो या कंटेंट जो महिलाओं की छवि को खराब करते हैं, उनका खुलकर बहिष्कार किया जाना चाहिए। जब तक हम ऐसे प्रयासों के खिलाफ एकजुट होकर खड़े नहीं होंगे, तब तक बदलाव संभव नहीं है। डॉ. भाटिया ने एक प्रेरणादायक संदेश देते हुए कहा कि हर सक्षम व्यक्ति को यह संकल्प लेना चाहिए कि वह गरीब तबके की कम से कम दो बेटियों की शिक्षा में सहयोग करेगा। जब एक शिक्षित बेटी आगे बढ़ेगी, तो वह खुद दो और बेटियों को शिक्षित करने का माध्यम बनेगी।

आदर्श महिला महाविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहा हैः डॉ. कृष्ण मिड्ढा

एलुमनी मीट के समापन समारोह में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा एवं लोहारू के विधायक राजबीर फरटिया मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा ने कहा कि आदर्श महिला महाविद्यालय न केवल शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहा है, बल्कि इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों को भी सुदृढ़ कर रहा है। उन्होंने महाविद्यालय प्रबंधन की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन छात्रों को अपने महाविद्यालय एवं अध्यापकों प्रति हमेशा कर्तव्यबोध के रूप में संजोकर रखते हैं।

मुझें गर्व है कि महाविद्यालय ने न जाने किनती बेटियों को सशक्त कियाः ज्योति बैंदा

हरियाणा लोक सेवा आयोग की सदस्या ज्योति बैंदा ने कहा कि एक शिक्षित महिला अपने परिवार को बेहतर दिशा देती है, बच्चों को अच्छे संस्कार देती है और समाज में जागरूकता फैलाती है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की शिक्षा केवल व्यक्तिगत विकास तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह पूरे परिवार और समाज को प्रगति की ओर ले जाती है। महाविद्यालय की एलुमनाई होने के नाते मुझें गर्व है कि इस संस्थान ने न जाने कितनी बेटियों को सशक्त किया।

महाविद्यालय ने महिला सशक्तिरण की मिसाल कायम कीः राजबीर फरटिया

लोहारू के विधायक राजबीर फरटिया ने अपने संबोधन में कहा कि आदर्श महिला महाविद्यालय ने महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक मिसाल कायम की है। उन्होंने कहा कि इस एलुमनी मीट के माध्यम से पूर्व छात्राओं की उपलब्धियों को साझा करना एक प्रेरणादायक पहल है। उन्होंने महाविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह आयोजन शिक्षा के साथ-साथ गुरू-शिष्यों के एक-दुसरे के प्रति समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण है।

समारोह सुदृढ़ परंपराओं और उत्कृष्ट शैक्षणिक विरासत का प्रतीकः डॉ. अलका शर्मा

पूर्व प्राचार्या यह एलुमनी समारोह संस्थान की सुदृढ़ परंपराओं और उत्कृष्ट शैक्षणिक विरासत का प्रतीक है। यहां की पूर्व छात्राओं की उपलब्धियां इस बात का प्रमाण हैं कि महाविद्यालय ने सदैव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और संस्कारों का समन्वय किया है। यह मंच अनुभवों के आदान-प्रदान और नई पीढ़ी को दिशा देने का सशक्त माध्यम है।

आदर्श महिला महाविद्यालय अपने नाम के अनुरूप समाज में एक आदर्शः डॉ. राजश्री सिंह

मुख्यातिथि पुलिस कमिश्नर झज्जर डॉ. राजश्री सिंह ने कहा कि आदर्श महिला महाविद्यालय अपने नाम के अनुरूप समाज में एक आदर्श स्थापित करता हुआ निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि समाज का अस्तित्व नारी के बिना संभव नहीं है। समाज नारी से शुरू होता है और नारी पर ही पूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि समाज में किसी भी प्रकार का भेदभाव अब स्वीकार्य नहीं है क्योंकि महिलाएं अपने दम पर इतिहास रच रही हैं, ऐसे में उन्हें समान अवसर और सम्मान मिलना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जब तक समाज में समानता और सम्मान का वातावरण नहीं बनेगा, तब तक वास्तविक विकास संभव नहीं है। आदर्श महिला महाविद्यालय इसी दिशा में एक प्रेरणादायक भूमिका निभाते हुए नारी सशक्तिकरण का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है।

पूर्व छात्राएं इस संस्थान की गौरवशाली पहचानः रश्मि बजाज

मुख्य मंच संचालिका रश्मि बजाज ने उपस्थित सभी सखियों एवं अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि आज का यह अवसर केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि उन सुनहरे पलों का पुनर्मिलन है, जिन्होंने हम सभी के जीवन को आकार दिया। यहां उपस्थित सभी पूर्व छात्राएं इस संस्थान की गौरवशाली पहचान हैं, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा और मेहनत से महाविद्यालय का नाम रोशन किया है।

पूर्व छात्राओं की उपस्थिती ने महाविद्यालय के प्रति प्यार और विश्वास को और अधिक सुदृढ़ कियाः अपर्णा बत्रा

मुख्य मंच संचालिका एवं पूर्व उप-प्राचार्या डॉ. अपर्णा बत्रा ने कार्यक्रम में पहुंची पूर्व छात्राओं का आभार व्यक्त करते हूँ कि आपने इस आयोजन को सफल बनाने में अपनी उपस्थिति से जो योगदान दिया वो हम सभी के इस महाविद्यालय के प्रति प्यार और विश्वास को और अधिक सुदृढ़ करेगा। यह मंच पीढ़ियों के बीच संवाद स्थापित करने और नए अवसरों को जन्म देने का सशक्त माध्यम है।

''सुनिया-सुनिया राता, ते राता दे विच तु, जैद वि तन्नु लब्बा ते मिल जा मैनु तु''

''सुनिया-सुनिया राता, ते राता दे विच तु, जैद वि तन्नु लब्बा ते मिल जा मैनु तु'' गाने की लाईव प्रफोमेंश पर पूर्व छात्राएं संगीत से सराबोर मंत्रमुग्ध हो उठी। मशहूर पंजाबी सिंगर 'जस' जैसे ही गाने की प्रस्तुति के लिए स्टेज पर चढ़ें उनके गाने के बोल ने पूर्व छात्राओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। पूर्व छात्राओं ने न केवल इस शानदार प्रस्तुति का भरपूर आनंद लिया, बल्कि सिंगर जस के साथ सेल्फी लेकर इस खास पल को यादगार भी बनाया। जश के लाईव प्रफोमेंश से पूर्व कार्यक्रम में पहुंचे कॉमेडियन संजय वर्मा ने अपने शानदार हास्य अंदाज से सभी को खूब गुदगुदाया।

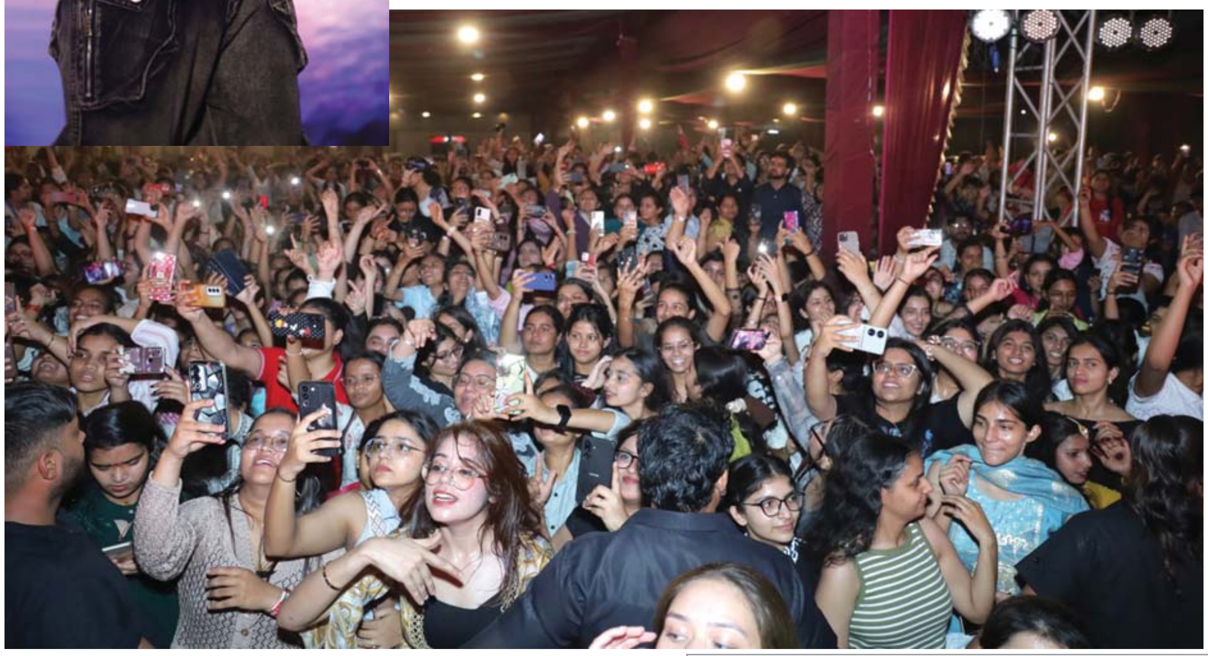

दुनिया के कोने-कोने से पहुंची पूर्व छात्राएं बोलीः

आदर्श महिला महाविद्यालय ने हमें शिक्षा के साथ-साथ समाज में सम्मानपूर्वक आगे बढ़ना भी सिखाया है। कॉलेज की यादे और यहां मिले संस्कार आज भी हमारी सफलता की सबसे बड़ी ताकत है।

–अल्का भटनागर, नार्वे

महाविद्यालय हर छात्रा को अपने सपनों की पहचानने और उन्हें पूरा करने का हौसला देता है। आज एलुमनाई मीट में आकर ऐसा लगा जैसे फिर से अपने परिवार के बीच लौट आए हों।

– रेणुका महता, दुबई

महाविद्यालय ने हमें केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा भी दी है। कॉलेज में बिताएं गए पल आज भी हमारी सबसे खूबसूरत यादों में शामिल हैं।

– कविता मिश्रा, आस्ट्रेलिया

एलुमनी एसोसिएशन की अध्यक्ष डॉ. रेणु एवं महासचिव डॉ. मोहिनी ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी अतिथियों, पूर्व छात्राओं, महाविद्यालय प्रबंधन, समस्त शिक्षकों, कर्मचारियों एवं आयोजन से जुड़े प्रत्येक सहयोगी का हृदय से आभार व्यक्त किया।

महाविद्यालय की प्रगति देखकर हुआ गर्व का अनुभवः डॉ. उर्मिला सिंगला

पूर्व प्राचार्या डॉ. उर्मिला सिंगला ने कहा कि वर्षों बाद जब मैं आदर्श महिला महाविद्यालय की प्रगति को देखती हूँ, तो अत्यंत संतोष और गर्व का अनुभव होता है। जिस संस्थान को हमने सीमित संसाधनों के साथ आगे बढ़ाया था, आज वह आधुनिक सुविधाओं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उल्लेखनीय उपलब्धियों के साथ नई ऊंचाइयों को छू रहा है। यह परिवर्तन केवल भौतिक विकास का नहीं, बल्कि दृष्टिकोण और सोच में आए सकारात्मक बदलाव का भी प्रतीक है।

'सखी संगम' एलुमनी मीट के दौरान लगा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

भिवानी। आदर्श महिला महाविद्यालय में आयोजित 'सखी संगम' एलुमनी मीट के अवसर पर यूथ रेडक्रॉस क्लब द्वारा एक भव्य निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का आयोजन अंचल अस्पताल, भिवानी एवं मेदांता अस्पताल, गुरुग्राम के सहयोग से किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में पहुंची एलुमनाई ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

शिविर में लगभग 600 मरीजों की विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य जांच की गई। इसमें हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, ईसीजी, पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट तथा बोन मिनरल डेंसिटी सहित अन्य आवश्यक जांचें निःशुल्क की गईं। शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों

की टीम ने मरीजों को परामर्श भी प्रदान किया, जिससे लोगों को अपनी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के समाधान में मदद मिली। इस अवसर पर अंचल अस्पताल के निदेशक डॉ. विनोद अंचल सहित विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकोंकृडॉ. कृष्ण कुमार (सर्जरी), डॉ. लक्ष्य यादव (मेडिसिन), डॉ. जितेंद्र सैनी (ऑर्थो), डॉ. अनीता अंचल (स्त्री एवं प्रसूति रोग), डॉ. अक्षरा (स्त्री एवं प्रसूति रोग), डॉ. सौम्या श्रीवास्तव (बाल रोग), डॉ. साक्षी सिंगला (त्वचा रोग) तथा अन्य चिकित्सकों की टीम उपस्थित रही। मेदांता अस्पताल, गुरुग्राम के चिकित्सकों ने भी अपनी सेवाएं प्रदान कर शिविर को सफल बनाया। शिविर का संयोजन लविसा शर्मा, डॉ. शकुंतला, डॉ. आसीमा यादव ने किया।

एलुमनी मिलन पूर्व छात्राओं की गौरवशाली यात्रा का उत्सव बनाः डॉ. माया यादव

पूर्व प्राचार्या डॉ. माया यादव ने कहा कि महाविद्यालय की पहचान केवल उसके भवनों से नहीं, बल्कि उसकी छात्राओं की उपलब्धियों से बनती है। आज जब हमारी पूर्व छात्राएं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रही हैं, तो यह संस्थान के समर्पित शिक्षण और अनुशासन का प्रतिफल है। यह एलुमनी मिलन उसी गौरवशाली यात्रा का उत्सव है।

पूर्व छात्राओं का संस्थान से जुड़ाव केवल स्मृतियों तक सीमित नहींः डॉ. इंदु शर्मा

कार्यक्रम में विशेष सहयोग प्रदाता पूर्व एलुमनाई डॉ. इंदु शर्मा ने कहा कि पूर्व छात्राओं का संस्थान से जुड़ाव केवल स्मृतियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह निरंतर सहयोग और मार्गदर्शन के रूप में भी प्रकट होता है। आदर्श महिला महाविद्यालय का एलुमनी मंच इसी सहयोग भावना को मजबूत करता है और संस्थान के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

विभिन्न स्नातक की छात्राओं को नई उड़ान एंव सफलता की नई राहों पर बढ़ने का संदेश देकर दी बधाई

महाविद्यालय में कला संकाय की स्नातक अंतिम वर्ष की छात्राओं के लिए आयोजित विदाई समारोह भावनात्मक पलों और उत्साहपूर्ण माहौल के बीच संपन्न हुआ। प्राचार्या डॉ. अलका मित्तल के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में महाविद्यालय प्रबंधकारिणी समिति अध्यक्ष सुनीता गुप्ता उपस्थित रहीं। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्यातिथि सुनीता गुप्ता ने कहा कि यह क्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है।

इसमें हम विदाई के साथ-साथ अपने जीवन के निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए प्रगति के मार्ग पर आगे अग्रसर रहेंगे। उन्होंने छात्राओं को वित्तिय स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए भी प्रेरित किया। इस अवसर पर प्राचार्या डॉ. अलका मित्तल ने अपने उद्बोधन में कहा कि महाविद्यालय से

छात्राओं की विदाई का अर्थ यह है कि वे अपनी शिक्षा यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए यहां से जा रही है। महाविद्यालय से उनका संबंध आजीवन रहेगा। उन्हें पूरे परिश्रम के साथ अपने को आगे बढ़ाना है और समाज निर्माण में अपना योगदान देना है, क्योंकि समाज निर्माण ही शिक्षा का असली उद्देश्य है। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. रिंकू अग्रवाल के संयोजन में हुआ। इस दौरान महाविद्यालय की परम्परा के अनुसार स्नातक अंतिम वर्ष की छात्राओं ने द्वितीय वर्ष की छात्राओं को विद्यादीप ज्योति समर्पित की और इसे ज्योतित् रखने का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ वातावरण को भाव-विभोर कर दिया।

महाविद्यालय में विज्ञान संकाय की अंतिम वर्ष की छात्राओं के लिए आयोजित विदाई समारोह शानदार प्रस्तुतियों के साथ संपन्न हुआ। प्राचार्या डॉ. अलका मित्तल के मार्गदर्शन में आयोजित इस समारोह में सीबीएलयू रजिस्ट्रार डॉ. भावना शर्मा बतौर मुख्यातिथि उपस्थित रही। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं स्वागत गीत के साथ किया गया। मुख्यातिथि डॉ. भावना शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि विज्ञान संकाय की छात्राओं के पास भविष्य को नई दिशा देने की क्षमता होती है। आज विज्ञान और तकनीक का क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है, ऐसे में आगे की राह में छात्राओं को अपने महाविद्यालय से प्राप्त शोध, नवाचार और तकनीकी ज्ञान के माध्यम से अपनी प्रतिभा को आगे बढ़ाते रहना चाहिए। उन्होंने छात्राओं को निरंतर सीखते रहने और बदलते समय के अनुसार स्वयं को तैयार करने की प्रेरणा दी। प्राचार्या डॉ. अलका मित्तल ने कहा कि महाविद्यालय हमेशा छात्राओं को नई संभावनाओं के लिए तैयार करने का कार्य करता है। उन्होंने कहा कि यहां से विदा लेने वाली छात्राएं अपने साथ शिक्षा, अनुशासन और संस्कारों की अमूल्य पूंजी लेकर जा रही हैं। उन्होंने छात्राओं को जीवन में निरंतर प्रगति करते रहने तथा अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया। विदाई समारोह में अंतिम वर्ष की छात्राओं ने जूनियर छात्राओं को विद्यादीप ज्योति सौंपते हुए शिक्षा की लौ को सदैव प्रज्ज्वलित रखने का संकल्प दिलाया। छात्राओं ने विज्ञान आधारित थीम प्रस्तुतियों, समूह नृत्य, गीत-संगीत और मनोरंजक गतिविधियों से कार्यक्रम को आकर्षक बना दिया। कार्यक्रम के दौरान कई छात्राएं महाविद्यालय से जुड़ी यादों को साझा करते हुए भावुक नजर आईं। आयोजन का सफल संचालन डॉ. निशा शर्मा के संयोजन में हुआ।

महाविद्यालय के बीसीए विभाग की अंतिम वर्ष की छात्राओं के लिए विदाई समारोह उल्लास, भावनाओं और प्रेरणादायी माहौल के बीच आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर प्राचार्या डॉ. अलका मित्तल ने छात्राओं को नए भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वर्तमान समय डिजिटल और तकनीकी विकास का युग है, हमें उम्मीद है कि महाविद्यालय में मिले तकनीकी ज्ञान के आधार पर आप अपना स्वर्ण भविष्य लिखेंगी। उन्होंने छात्राओं को नई तकनीकों के साथ स्वयं को अपडेट रखने और आत्मविश्वास के साथ अपने करियर की दिशा तय करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय ने पूरी उम्मीद के साथ आईटी, डिजिटल प्रबंधन और सॉफ्टवेयर क्षेत्र में आपके कौशल को निखारा है। महाविद्यालय से पास्ट आऊट होने वाली छात्राएं भविष्य में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित करती रहेंगी। इस अवसर पर अंतिम वर्ष की छात्राओं ने विभागीय परम्परा के अनुसार जूनियर छात्राओं को विद्यादीप सौंपते हुए ज्ञान और तकनीकी दक्षता की परंपरा को आगे बढ़ाने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में छात्राओं ने आधुनिक थीम पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, समूह नृत्य, संगीत और मनोरंजक गतिविधियों के माध्यम से सभी का मन मोह लिया। समारोह के दौरान छात्राओं ने अपने महाविद्यालय जीवन के अनुभव साझा करते हुए शिक्षकों और सहपाठियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. दीपू सैणी के मार्गदर्शन में किया गया।

महाविद्यालय में बिताए गए तीन वर्ष मेरे जीवन के सबसे यादगार पलों में शामिल रहेंगे। यहां मुझे केवल शिक्षा ही नहीं मिली, बल्कि आत्मविश्वास, अनुशासन और हर परिस्थिति में आगे बढ़ने की प्रेरणा भी मिली। शिक्षिकाओं का मार्गदर्शन हमेशा परिवार जैसा रहा। विदाई समारोह के दौरान पुरानी यादों को याद कर मन भावुक हो उठा, लेकिन यह विश्वास भी है कि महाविद्यालय से मिला ज्ञान जीवनभर मेरा मार्गदर्शन करेंगे।

– छात्रा पायल

आज का दिन मेरे लिए भावनाओं से भरा हुआ रहा। एक ओर भविष्य के नए सपनों को पूरा करने का उत्साह है तो दूसरी ओर महाविद्यालय और अपने साथियों से बिछड़ने का दुःख भी है। यहां के शिक्षकों ने हमें केवल किताबों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि जीवन की वास्तविक चुनौतियों का सामना करना भी सिखाया। यह संस्थान हमेशा मेरी पहचान और प्रेरणा का महत्वपूर्ण हिस्सा रहेगा।

– छात्रा हिमांशी

आदर्श महिला महाविद्यालय में वाणिज्य संकाय की अंतिम वर्ष की छात्राओं के लिए आयोजित विदाई समारोह उमंग, प्रेरणा और भावनाओं से सराबोर रहा। समारोह में मुख्यातिथि के रूप में समाजसेवी रंजना बुवानीवाला ने शिरकत कर छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धा के दौर में वाणिज्य शिक्षा युवाओं को नए अवसर प्रदान कर रही है। मुझें उम्मीद है कि महाविद्यालय से निकली छात्राएं अपने यहां मिले ज्ञान और कौशल का उपयोग कर उद्यमिता तथा प्रबंधन के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगी। उन्होंने कहा कि सफलता उन्हीं को मिलती है जो कठिनाइयों से घबराने की बजाय उन्हें अवसर में बदलना जानते हैं। प्राचार्या डॉ. अलका मित्तल ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि

अनुशासन, समय प्रबंधन और ईमानदारी किसी भी क्षेत्र में सफलता की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझना भी है। प्राचार्या डॉ. अलका मित्तल ने कहा कि महाविद्यालय की छात्राएं विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रही हैं, जो संस्थान के लिए गर्व का विषय है।

उन्होंने कहा कि छात्राओं को अपने अंदर नेतृत्व क्षमता विकसित करनी चाहिए और हर परिस्थिति में सकारात्मक सोच बनाए रखनी चाहिए। समारोह के दौरान अंतिम वर्ष की छात्राओं ने परम्परा अनुसार जूनियर छात्राओं को विद्यादीप सौंपते हुए शिक्षा, अनुशासन और संस्कारों की ज्योति को सदैव प्रज्ज्वलित रखने का संदेश दिया। कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा प्रस्तुत समूह नृत्य, संगीत, फैशन प्रस्तुति एवं मनोरंजक गतिविधियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। छात्राओं ने अपने महाविद्यालय जीवन की यादों को साझा करते हुए शिक्षकों के प्रति आभार भी व्यक्त किया। कार्यक्रम का सफल संचालन उप प्राचार्या नीरू चावला के संयोजन में हुआ। बीएससी डॉ. निशा शर्मा और बीसीए डॉ. दीपू सैणी के संयोजन में हुआ।

राधिका बनी मिस ब्यूटी

इस अवसर पर छात्राओं के लिए मिस ब्यूटी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। प्रतियोगिता में छात्रा राधिका ने अपने आकर्षक व्यक्तित्व, आत्मविश्वास और बेहतरीन ड्रेसिंग सेंस से सभी को प्रभावित करते हुए मिस ब्यूटी का खिताब अपने नाम किया।

आदर्श महिला महाविद्यालय ने मुझे एक नई सोच और नई दिशा दी है। यहां मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने के अवसर मिले, जिससे मेरे व्यक्तित्व में काफी सकारात्मक बदलाव आया। आज जब विदाई समारोह में सभी सहेलियों के साथ बिताए पलों को याद किया तो मन भावुक हो गया। महाविद्यालय से मिली सीख और शिक्षकों का स्नेह निश्चित रूप से मेरे भविष्य को मजबूत आधार प्रदान करेगा।

– छात्रा राधिका

सीनियर छात्राओं के विदाई समारोह का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत विशेष अनुभव रहा। जब सीनियर्स ने हमें विद्यादीप सौंपकर शिक्षा और संस्कारों की परंपरा को आगे बढ़ाने का संकल्प दिलाया, तब गर्व और जिम्मेदारी दोनों का एहसास हुआ। हमने उनसे बहुत कुछ सीखा है। चाहे वह पढ़ाई हो, मंच संचालन हो या आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखना। उनकी कमी महाविद्यालय में हमेशा महसूस होगी, लेकिन उनकी प्रेरणा हमें आगे बेहतर करने के लिए उत्साहित करती रहेगी।**– छात्रा महक द्वितीय वर्ष**

आदर्श महिला महाविद्यालय में मेगा रोजगार मेले में 600 विद्यार्थियों ने दिया साक्षात्कार

हरियाणा के विभिन्न क्षेत्रों की 22 निजी कंपनियां बेटियों को नौकरी देने के लिए पहुंची

भिवानी। आदर्श महिला महाविद्यालय में बेटियों के सशक्तिकरण की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए छात्राओं के लिए कैरियर गाइडेंस एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा मेगा रोजगार मेले का आयोजन किया गया। प्राचार्या डॉ. अलका मित्तल के संयोजन में आयोजित इस रोजगार मेले में प्रदेशभर की 22 प्रतिष्ठित निजी कंपनियों ने भाग लेते हुए छात्राओं एवं युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए। रोजगार मेले में लगभग 600 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न कंपनियों के समक्ष साक्षात्कार दिए। यह आयोजन अपने आप में इसलिए भी अनूठा रहा क्योंकि इसमें महाविद्यालय की छात्राओं ही नहीं बल्कि प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालयों के साथ-साथ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने भी पंजीकरण करवाया। सुबह से ही परिसर में विद्यार्थियों की भारी भीड़ देखने को मिली। पंजीकरण काउंटरों पर छात्राओं ने अपने दस्तावेज जमा करवाए तथा कंपनियों के प्रतिनिधियों से संवाद स्थापित किया। विभिन्न कंपनियों द्वारा मार्केटिंग, बैंकिंग, आईटी, कस्टमर सर्विस, अकाउंट्स, एचआर, एजुकेशन एवं मैनेजमेंट सहित अनेक क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए गए। इस मौके पर प्राचार्या डॉ. अलका मित्तल ने कहा कि बेटियों को निजी क्षेत्र में रोजगार देने के लिए यह एक बड़ा और सार्थक मंच साबित हुआ है। उन्होंने बताया कि लड़कियों का वित्तिय स्वतंत्र होना अत्यंत आवश्यक है, इसी उद्देश्य से आगे भविष्य में भी इस प्रकार के रोजगार मेलों का आयोजन नियमित रूप से महाविद्यालय में करवाया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक छात्राओं को रोजगार के अवसर मिल सकें। डॉ. अलका मित्तल ने आगे कहा कि महाविद्यालय सदैव छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध रहा है तथा भविष्य में भी इस प्रकार के रोजगार मेलों, कौशल विकास कार्यक्रमों एवं करियर मार्गदर्शन शिविरों का नियमित आयोजन किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक छात्राओं को रोजगार प्राप्त करने का अवसर मिल सके। उन्होंने रोजगार मेले में भाग लेने वाली सभी कंपनियों, आयोजकों तथा सहयोगी स्टाफ का आभार व्यक्त किया।

इस कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. गायत्री बंसल रहीं व उनके साथ डॉ. प्रीति शर्मा, शीतल केडिया एवं रिचा भी मौजूद रही। रोजगार मेले के दौरान छात्राओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। कई कंपनियों ने लिखित परीक्षा, समूह चर्चा एवं व्यक्तिगत साक्षात्कार के माध्यम से अभ्यर्थियों का चयन किया। कंपनियों के प्रतिनिधियों ने छात्राओं के आत्मविश्वास, संवाद कौशल तथा कार्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण की सराहना की। मेले में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को करियर संबंधी मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया, जिससे उन्हें निजी क्षेत्र की कार्यशैली एवं अपेक्षाओं को समझने का अवसर मिला।

फोटो न. 61-62

मेले में चयनित छात्राओं ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए बताया कि उन्हें साक्षात्कार के दौरान अच्छे ऑफर प्राप्त हुए हैं। कई छात्राओं ने बताया कि प्रशिक्षण के बाद उन्हें 15 हजार से लेकर 40 हजार रुपये प्रतिमाह तक के वेतन पैकेज की पेशकश की गई है, जो उनके करियर की शानदार शुरुआत साबित होगी।

मेगा रोजगार मेले के सफल आयोजन से पूर्व महाविद्यालय प्रशासन द्वारा छात्राओं को रोजगार के लिए पूर्ण रूप से तैयार करने हेतु विशेष प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन भी करवाया गया। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य छात्राओं के आत्मविश्वास को बढ़ाना तथा उन्हें निजी क्षेत्र की कार्यप्रणाली और साक्षात्कार प्रक्रिया के प्रति जागरूक बनाना रहा। इस विशेष प्रशिक्षण सत्र में मेधा फाउंडेशन के सीनियर मैनेजर रजत श्रीवास्तव ने छात्राओं को व्यावसायिक जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कीं। उन्होंने छात्राओं को इंटरव्यू स्किल्स के बारे में विस्तार से बताते हुए साक्षात्कार के दौरान आत्मविश्वास, सकारात्मक बॉडी लैंग्वेज, प्रभावी संवाद शैली तथा सही उत्तर देने की तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसी भी इंटरव्यू में केवल शैक्षणिक योग्यता ही नहीं, बल्कि व्यक्तित्व, व्यवहार और संवाद कौशल भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रशिक्षण को रोचक और व्यवहारिक बनाने के लिए रजत श्रीवास्तव द्वारा विभिन्न मैनेजमेंट गेम्स और गतिविधियों का आयोजन भी करवाया गया ताकि प्रोफेशनल व्यवहार, टीमवर्क, समय प्रबंधन एवं कार्यस्थल पर बेहतर प्रदर्शन करने के गुर भी छात्राओं को सिखाए जाएं।

मुकेश, एम.ए. इकोनॉमिक्स, अंतिम वर्ष

मेगा रोजगार मेले में भाग लेना मेरे लिए अत्यंत प्रेरणादायक अनुभव रहा। यहां विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों के प्रतिनिधियों से सीधे संवाद करने का अवसर मिला, जिससे कॉर्पोरेट जगत की कार्यशैली को समझने में सहायता मिली। इंटरव्यू प्रक्रिया के दौरान आत्मविश्वास के साथ स्वयं को प्रस्तुत करना मैंने यहीं सीखा। महाविद्यालय द्वारा दिया गया पूर्व प्रशिक्षण भी काफी उपयोगी साबित हुआ।

इस रोजगार मेले ने मेरे करियर को नई दिशा देने का कार्य किया। विभिन्न कंपनियों द्वारा आयोजित इंटरव्यू एवं ग्रुप डिस्कशन में भाग लेने से मेरी कम्युनिकेशन स्किल्स और आत्मविश्वास में वृद्धि हुई। मुझे यह अनुभव केवल नौकरी प्राप्त करने तक सीमित नहीं लगा, बल्कि यह स्वयं को पहचानने और भविष्य के लिए तैयार करने का एक महत्वपूर्ण अवसर रहा।

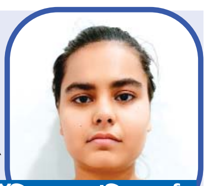

सुघेष, एम.के. इकोनॉमिक्स, अंतिम वर्ष

यहां विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियों की उपस्थिति ने हमें अनेक करियर विकल्पों से परिचित करवाया। इंटरव्यू के दौरान सकारात्मक वातावरण और मार्गदर्शन ने मेरे भीतर का डर दूर किया। इस आयोजन ने यह महसूस करवाया कि यदि सही दिशा और अवसर मिले तो बेटियां किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकती हैं।

– मंजू, एम.कॉम.

रश्मि, एम.कॉम.

मैंने पहली बार किसी रोजगार मेले में भाग लिया और यह अनुभव मेरे लिए बेहद यादगार रहा। महाविद्यालय द्वारा आयोजित प्रशिक्षण सत्रों ने मुझे इंटरव्यू के लिए मानसिक रूप से तैयार किया। कंपनियों के प्रतिनिधियों से बातचीत करते समय आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखना मैंने सीखा। इस आयोजन ने मुझे अपने भविष्य के प्रति अधिक गंभीर बनने की प्रेरणा दी।

मेगा रोजगार मेले ने विद्यार्थियों और उद्योग जगत के बीच एक सशक्त सेतु का कार्य किया। यहां मुझे विभिन्न कंपनियों की कार्य संस्कृति, चयन प्रक्रिया और प्रोफेशनल अपेक्षाओं को नजदीक से समझने का अवसर मिला। समूह गतिविधियों और इंटरव्यू प्रक्रिया ने मेरी नेतृत्व क्षमता और निर्णय लेने की योग्यता को भी बेहतर बनाया। मैं महाविद्यालय प्रशासन की इस पहल के लिए आभार व्यक्त करती हूं, जिसने छात्राओं को रोजगार के वास्तविक अवसरों से जोड़ने का कार्य किया।

प्रिया, एम.कॉम.

जिला स्तरीय अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता में यंशिका, खुशबू, वंशिका ने मनवाया अपनी प्रतिभा का लोहा

भिवानी। चौधरी बंसी लाल राजकीय महिला महाविद्यालय तोशाम, हरियाणा द्वारा 6 अप्रैल 2026 को आयोजित जिला स्तरीय अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता में यंशिका, खुशबू, वंशिका ने प्रतिभागिता की। सोलगन लेखन प्रतियोगिता में बीए प्रथम वर्ष की छात्रा खुशबू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।बीकॉम प्रथम वर्ष की छात्रा वंशिका ने भाषण प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अलका मित्तल ने सभी प्रतिभागी छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। प्राचार्या डॉ. अलका मित्तल ने छात्राओं और तम्बाकू विरोधी सेल अधिकारी डॉ. दीपू सैनी सदस्यों डॉ रितिका, डॉ. ममता वाधवा, सुश्री. सीमा को भी बधाई देकर उनका उत्साह वर्धन किया।

महाविद्यालय में 'स्पार्क से स्टार्टअप तक' विषय पर प्रेरणादायक विस्तार व्याख्यान आयोजित

भिवानी। उद्यमिता प्रकोष्ठ द्वारा दिनांक 11 अप्रैल 2026 को प्राचार्या डॉ. अल्का मित्तल के मार्गदर्शन में 'स्पार्क से स्टार्टअप तक- सफल व्यावसायिक विचारों का निर्माण' विषय पर एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में नवाचारपूर्ण व्यावसायिक विचार विकसित करना तथा उद्यमशीलता की भावना को प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर टी.आई.टी. एंड एस., भिवानी के प्रबंधन अध्ययन विभाग की सहायक प्राध्यापिकाएं डॉ. अंकिता गुप्ता एवं उर्शिता बंसल ने संसाधन व्यक्तियों के रूप में छात्राओं का मार्गदर्शन किया। उन्होंने व्यवसायिक अवसरों की पहचान, बाजार अनुसंधान के महत्व तथा उद्यमिता के व्यावहारिक पहलुओं पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उनका व्याख्यान ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं संवादात्मक रहा। कार्यक्रम का संयोजन उद्यमिता प्रकोष्ठ की प्रभारी नीरजा परमार द्वारा किया गया, जबकि प्रकोष्ठ सदस्य रवीना सोनी ने सहयोग प्रदान किया। छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने विचार साझा किए और सफल व्यवसाय की दिशा में नए आयामों को समझा। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। यह आयोजन छात्राओं के लिए अत्यंत प्रेरणादायक, ज्ञानवर्धक एवं सफल अनुभव सिद्ध हुआ।

कौशल विकास प्रकोष्ठ के अंतर्गत छह माह के आईटी एवं फैशन डिज़ाइनिंग प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न

भिवानी। आदर्श महिला महाविद्यालय में प्राचार्या डॉ. अल्का मित्तल के कुशल मार्गदर्शन में कौशल विकास प्रकोष्ठ के अंतर्गत छह माह अवधि के 'एडवांस्ड आईटी कंप्यूटर' तथा 'फैशन डिज़ाइनिंग' प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्राओं के तकनीकी, व्यावसायिक एवं रचनात्मक कौशल का विकास कर उन्हें रोजगारोन्मुख तथा आत्मनिर्भर बनाना रहा। 'एडवांस्ड आईटी कंप्यूटर' पाठ्यक्रम में 106 छात्राओं ने सहभागिता करते हुए आधुनिक कंप्यूटर अनुप्रयोगों का सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। नियमित कक्षाओं, प्रायोगिक सत्रों तथा मूल्यांकन के माध्यम से छात्राओं की डिजिटल दक्षता एवं रोजगार क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। वहीं 'फैशन डिज़ाइनिंग' प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम में 17 छात्राओं ने भाग लेकर टाई एंड डाई, ब्लॉक प्रिंटिंग, एम्ब्रॉयडरी, निटिंग तथा विभिन्न परिधानों की सिलाई जैसे कौशल सीखे। इस प्रशिक्षण ने छात्राओं की रचनात्मकता को निखारने के साथ-साथ उन्हें स्वरोजगार एवं महिला सशक्तिकरण की दिशा में प्रेरित किया। दोनों पाठ्यक्रमों के सफल समापन पर सभी छात्राओं को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। यह पहल महाविद्यालय की कौशल आधारित एवं करियर उन्मुख शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

प्रकृति का हिसाब नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से छात्राओं ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

भिवनी। स्टैंड विद नेचर एवं आदर्श महिला महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में प्रकृति हिसाब मांगे विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं ने प्रभावशाली नाट्यशाला के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण एवं प्रकृति के प्रति मानवीय जिम्मेदारी का सशक्त संदेश प्रस्तुत किया। छात्राओं ने अपनी सजीव प्रस्तुति द्वारा दर्शाया कि प्रकृति का निरंतर दोहन, बढ़ता प्रदूषण एवं पेड़ों की कटाई मानव जीवन के लिए गंभीर संकट उत्पन्न कर रहे हैं। नाट्य मंचन के माध्यम से उन्होंने सभी को प्रेरित किया कि अधिक से अधिक पेड़ लगाकर, पर्यावरण संतुलन बनाए रखते हुए प्रकृति संरक्षण में अपना सक्रिय योगदान दें। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं एवं उपस्थित जनसमूह में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना तथा उन्हें प्रकृति संरक्षण के लिए प्रेरित करना रहा। प्रस्तुति ने संदेश दिया कि यदि आज प्रकृति की रक्षा नहीं की गई, तो आने वाली पीढ़ियों को इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार ने छात्राओं के प्रयासों की सराहना करते हुए पर्यावरण संरक्षण को सामूहिक जिम्मेदारी बताया। कार्यक्रम ने सभी को प्रकृति के प्रति जागरूक होकर हरित भविष्य के निर्माण हेतु संकल्पित किया।

Prisha and Ravina secured first place in poetry recitation competitions.

In the poetry recitation competitions, Prisha (B.A. 1st Year) secured 1st position in English Poetry Recitation, while Ravina (B.A. 2nd Year) secured 1st position in Hindi Poetry Recitation.

संगीत विभाग द्वारा 10 दिवसीय कथक नृत्य कार्यशाला का सफल आयोजन

भिवानी। कथा कहे सो कथक कहावे की भावना को साकार करते हुए संगीत विभाग द्वारा 10 दिवसीय कथक नृत्य कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। प्राचार्या डॉ. अल्का मित्तल के दिशा-निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला का शुभारंभ माँ शारदा के चरणों में पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। कार्यशाला में लगभग 25 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक पंजीकरण करवाकर सहभागिता की। इस विशेष कार्यशाला में अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त कलाकार एवं नृत्य प्रशिक्षक ने छात्राओं को कथक की बारीकियों से अवगत कराया। संगीत विभाग की डॉ. रचना कौशिक एवं डॉ. उषा गोस्वामी के नेतृत्व में महाविद्यालय का समस्त शिक्षक वर्ग भी उपस्थित रहा।

कार्यशाला के दौरान छात्राओं ने ताल पक्ष, हस्तक क्रिया तथा विभिन्न बोलों का अभ्यास अत्यंत लगन, अनुशासन एवं समर्पण के साथ किया। समापन समारोह में अंतरराष्ट्रीय कलाकार वसुधा सिन्हा एवं उनके गुरु-शिष्य दल द्वारा प्रस्तुत मनमोहक एवं अद्भुत नृत्य प्रस्तुति ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस कार्यशाला ने छात्राओं में भारतीय शास्त्रीय नृत्य के प्रति रुचि, सांस्कृतिक चेतना एवं कलात्मक अभिव्यक्ति को नई दिशा प्रदान की। कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

छात्राओं के लिए सुरक्षित एवं अत्याधुनिक हॉस्टल सुविधा भी उपलब्ध

महाविद्यालय प्रशासन द्वारा बाहरी क्षेत्रों से आने वाली छात्राओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हॉस्टल (पीजी) सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। संस्थान के अंदर ही सुरक्षित एवं व्यवस्थित आवास व्यवस्था होने से दूर-दराज गांवों और अन्य शहरों से आने वाली छात्राओं को विशेष लाभ मिलेगा। प्राचार्या ने बताया कि छात्राओं के लिए उपलब्ध पीजी सुविधा में स्वच्छ कमरे, पेयजल, विद्युत व्यवस्था, अध्ययन के लिए शांत वातावरण तथा सुरक्षा के पर्याप्त प्रबंध किए गए हैं। छात्राओं की निगरानी एवं अनुशासन बनाए रखने के लिए वार्डन और महिला स्टाफ की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है।

मातृदिवस पर विशेषः-

माँः जीवन की पहली गुरु, प्रेम की अनमोल प्रतिमा

माँ केवल एक रिश्ता नहीं, बल्कि प्रेम, त्याग, ममता और समर्पण का सबसे सुंदर स्वरूप है। वह हमारे जीवन की पहली गुरु होती है, जो हमें संस्कार, साहस, अनुशासन और सही मार्ग पर चलना सिखाती है। माँ का प्रेम निस्वार्थ होता है–वह स्वयं हर कठिनाई सहकर भी अपने बच्चों के सपनों को साकार करने में लगी रहती है।

मातृ दिवस माँ के प्रति सम्मान, कृतज्ञता और प्रेम व्यक्त करने का विशेष अवसर है। यह दिन हमें उनकी अनगिनत कुर्बानियों, अथाह स्नेह और जीवन में उनके अमूल्य योगदान का स्मरण कराता है।

माँ हमारे जीवन की वह शक्ति है, जिसके आशीर्वाद से हर संघर्ष आसान लगता है। इसलिए केवल मातृ दिवस पर ही नहीं, बल्कि हर दिन हमें अपनी माँ के प्रेम, त्याग और समर्पण का सम्मान करना चाहिए।

'माँ वह प्रकाश है, जो अपने प्रेम और संस्कारों से

अनुपमा यात्रा
स्वामित्व, मुद्रक एंव प्रकाशक आदर्श महिला महाविद्यालय भिवानी द्वारा दैनिक भास्कर गोहाना रोड़, सुखपुरा रोहतक से मुद्रित करवाकर आदर्श महिला महाविद्यालय, हांसी गेट भिवानी-127021 से प्रकाशित किया जाता है। Title-Code:- HARBIL01906 **प्रबंध सम्पादकः** डॉ. अलका मित्तल **कार्यकारी सम्पादक :** डॉ. गायत्री बंसल
मोबाईल नम्बरः 9306940790 **नोटः** सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भिवानी न्यायालय होगा **Gmail:** anupama.express@ammb.ac.in